Total number of printed pages–8

14 (HIN–1) 1026

2021

(Held in 2022)

HINDI

Paper : HIN–1026

(New Syllabus and Old Syllabus)

[Hindī Sāhitya Kā Itihās–I (Adikāl evang Bhaktikāl) and Hindi Sāhitya Kā Itihās–I]

Full Marks : 64

Time : Three hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

New Syllabus

[हिन्दी साहित्य का इतिहास–I (आदिकाल एवं भक्तिकाल)]

1. सही विकल्प का चयन करके निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) 'इस्त्वार द ला लितरेत्युर ऐन्दुई ऐ ऐन्दुस्तानी' नामक हिन्दी–साहित्येतिहास ग्रंथ किस भाषा में लिखा है?

(i) ज़र्मन

(ii) फ्रेंच

Contd.

(iii) लैटिन
(iv) इतालवी

(ख) 'शिवसिंह सरोज' का प्रकाशन-वर्ष है —
(i) 1883 ई०
(ii) 1880 ई०
(iii) 1886 ई०
(iv) 1889 ई०

(ग) आदिकाल के लिए 'वीरकाल' नाम का सुझाव किस विद्वान ने दिया है?
(i) हजारीप्रसाद द्विवेदी
(ii) महावीरप्रसाद द्विवेदी
(iii) विश्वनाथप्रसाद मिश्र
(iv) विद्यानिवास मिश्र

(घ) 'चर्यापद' नामक प्रसिद्ध पुस्तक के रचयिता हैं —
(i) लुइपा
(ii) डोम्भिपा
(iii) कण्हपा
(iv) शबरपा

(ङ) अमीर खुसरो की रचना नहीं है —
(i) खालिकबारी
(ii) मुकरियां
(iii) वसन्त-विलास
(iv) दो सुखने

(च) 'कबीर-परिचई' की रचना किसने की है?
(i) अनन्तदास
(ii) चेतनदास
(iii) सेवादास
(iv) प्रियादास

(छ) कौन-सा युग्म सही नहीं है?
(i) चांदायन—1479 ई०
(ii) मृगावती—1503 ई०
(iii) मधुमालती—1545 ई०
(iv) पद्मावत—1540 ई०

(ज) कौन-सा युग्म सही है?
(i) छिताई वार्ता—जटमल
(ii) चित्रावली—उस्मान
(iii) माधवानल कामकंदला—नारायणदास
(iv) रूपमंजरी—आलम

(झ) असत्य कथन का चयन कीजिए —
(i) वल्लभ सम्प्रदाय के अनुसार श्रीकृष्ण ही पूर्ण पुरुषोत्तम परब्रह्म हैं।
(ii) निम्बार्क सम्प्रदाय में कृष्ण के दायें अंग में सुशोभित राधा के साथ श्रीकृष्ण की उपासना का विधान है।
(iii) राधावल्लभ सम्प्रदाय में राधा ही प्रमुख हैं, श्रीकृष्ण का स्थान प्रमुख नहीं है।
(iv) गौड़ीय सम्प्रदाय में श्रीकृष्ण को ब्रज में गोलोक की लीलाओं-सहित विहार करनेवाला माना गया है।

(ञ) हिन्दी में भक्तमाल-परम्परा का सूत्रपात किसने किया?

(i) बेनीमाधवदास

(ii) नाभादास

(iii) रघुबरदास

(iv) ईश्वरदास

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×7=14

(क) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने वीरगाथा-काल (आदिकाल) का सीमा-निर्धारण किस रूप में किया है?

(ख) 'राउलबेल' किस प्रकार की कृति है? इसके रचयिता कौन माने जाते हैं?

(ग) 'ढोला-मारू रा दुहा' का रचनाकाल क्या है? इस कृति में किस राजकुमार और किस राजकुमारी की प्रेम-कथा का वर्णन मिलता है?

(घ) सिद्ध कवियों के द्वारा शुरू की गयी *दो* काव्य-प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए, जिनका प्रभाव भक्तिकाल तक चलता रहा।

(ङ) निर्गुण और सगुण भक्ति-धाराओं के *कोई दो* अन्तर बताइए।

(च) सन्त कवि रैदास की *किन्हीं दो* काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(छ) पुष्टिमार्गीय भक्ति क्या है?

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से ***किन्हीं दो*** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×2=10

(क) हिन्दी साहित्येतिहास-दर्शन की मूलभूत बातों की स्पष्ट कीजिए।

(ख) मलिक मुहम्मद जायसी का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(ग) 'रामचरितमानस' पर एक टिप्पणी लिखिए।

(घ) भाषिक प्रयोग की दृष्टि से भक्तिकाल का मूल्यांकन कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से ***किन्हीं तीन*** के सम्यक् उत्तर दीजिए: 10×3=30

(क) हिन्दी साहित्येतिहास की परम्परा में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल द्वारा विरचित 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' ग्रंथ का स्थान निर्धारित कीजिए।

(ख) हिन्दी साहित्य के प्रारंभिक काल-खण्ड के लिए 'आदिकाल' नामकरण की उपयुक्तता के सन्दर्भ में सतर्क चर्चा कीजिए।

(ग) आदिकालीन रासो-काव्यधारा के प्रमुख कवियों एवं उनकी कृतियों का उल्लेख करते हुए इस काव्यधारा की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

(घ) भक्तिकाल का सीमांकन करते हुए भक्ति-आन्दोलन के उद्भव के पीछे विद्यमान कारणों का खुलासा कीजिए।

(ङ) सन्त काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियों पर सोदाहरण चर्चा कीजिए।

(च) कृष्णभक्ति-काव्यधारा को कविवर सुरदास और कवयित्री मीराँबाई की देन पर सम्यक् प्रकाश डालिए।

Old Syllabus

(हिन्दी साहित्य का इतिहास-I)

1. साहित्य के इतिहास-दर्शन के स्वरूप एवं महत्व पर सम्यक् प्रकाश डालिए। 12

अथवा

हिन्दी साहित्येतिहास-परम्परा की प्रमुख कृतियों एवं कृतिकारों का नामोल्लेख करते हुए *किसी एक* प्रधान कृति की विशेषताओं पर चर्चा कीजिए।

2. आदीकालीन राजनीतिक, धार्मिक और सांस्कृतिक स्थितियों पर सम्यक् विचार कीजिए। 12

अथवा

आदिकालीन सिद्ध-साहित्य एवं नाथ-साहित्य का परिचय देते हुए उनके महत्व का आकलन कीजिए।

3. भक्तिकाल की विविध परिस्थितियों पर संक्षिप्त प्रकाश डालते हुए यह बताइए कि उन परिस्थितियों ने तत्कालीन साहित्य को कैसे प्रभावित किया? 12

अथवा

भक्तिकालीन काव्यधाराओं की सामान्य विशेषताओं पर सम्यक् चर्चा कीजिए।

4. सूफ़ी काव्यधारा में मलिक मुहम्मद जायसी का स्थान निर्धारित कीजिए। 12

अथवा

रामभक्ति-काव्यधारा को गोस्वामी तुलसीदास की देन पर सठिक विवेचन कीजिए।

5. ***किन्हीं चार*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 4×4=16

(क) पृथ्वीराजरासो

(ख) आदिकालीन जैन-साहित्य

(ग) खुसरो की पहेलियाँ

(घ) सन्त दादूदयाल

(ङ) मीराँबाई की काव्य-भाषा

(च) रसखान की भक्ति-भावना।